

खुशी में फूलो (१८०)

झूले में आज झूलो साईं साजन।

नित्य खुशी में फूलो साईं साजन॥

इष्ट अनुराग भरे तेरे नयन साईं तेरे नयन

कथा की सुधा से भरे तेरे बयन साईं तेरे बयन

तेरी झांकी ने मेरो मोहि लियो मन॥

झूलने की शोभा रस रंग भरी है

दे दे के झूटा प्रेम सों दिल होत हरी है

फूल वर्षावें खड़े देवता गगन॥

सांवण की घटा देत तुझे आज वाधाई

नन्ही नन्हीं बून्दो की वर्षा है लाई

घन गरजि गरजि करें तेरी जै जै की धुनि॥

तेरी रमक झमक देखि दामिनि दमक रही है

चंहूं ओर चंद्र वदन चान्दनी चमक रही है

श्रक श्रक नाचें सभी रसिक जन॥

सियाराम तेरी गोद में साईं मोद ले रहे

ठण्डिड़ी समीर चरण चुम्बन को चहे

साईं सुजस को साराहे सदा सदा सहस फन॥

साईं ओ मैया की सुख बेलि फली है

जिनि शीश का सिरताज श्री मिथिलेश लली है

साकेत से यह आया है सुखवास का चमन॥